वैश्विक संस्थानों से यूपी के संबंध हुए मजबूत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से इन्वेस्ट यूपी ने सिंगापुर में उच्च-स्तरीय निवेश प्रोत्साहन मिशन पूरा किया। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक चौधरी के नेतृत्व में गए प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर के प्रमुख संस्थागत निवेशकों और औद्योगिक संगठनों के साथ व्यापक संवाद कर राज्य में निवेश की संभावनाओं को रखा।

सिंगापुर में इन्वेस्ट यूपी का निवेश अभियान

मिशन के दौरान इन्वेस्ट यूपी टीम ने सिंगापुर की संप्रभु संपत्तियों का प्रबंधन करने वाली संस्था जीआईसी इंफ्रास्ट्रक्चर के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बैठक की। इसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष नितीश हेमदानी समेत जीआईसी के अधिकारी और एफआईसीसीआई सिंगापुर की कंट्री हेड नविता मेयर मौजूद रहीं। बातचीत में उत्तर प्रदेश में भूमि की उपलब्धता, नीतिगत स्थिरता, मजबूत अवस्थापना ढांचे, लॉजिस्टिक्स, सेवाओं और आधुनिक शहरी विकास से जुड़े निवेश अवसरों पर चर्चा हुई।

इन्वेस्ट यूपी ने निवेशकों को प्रदेश की समर्पित निवेशक सहायता व्यवस्था, विशेष देश एवं क्षेत्र डेस्क तथा तेजी से विकसित हो रहे ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) ईकोसिस्टम की जानकारी दी। जीआईसी ने उत्तर प्रदेश की विकास गति को देखते हुए नए क्षेत्रों में निवेश संभावनाओं के अन्वेषण में रुचि जताई।

इसके अलावा इन्वेस्ट यूपी ने सिंगापुर इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसआईसीसीआई) के साथ भी महत्वपूर्ण संवाद किया। इस सत्र की अध्यक्षता एसआईसीसीआई के इंटरनेशनलाइजेशन सब-कमिटी के चेयरमैन मनीष त्रिपाठी ने की। साथ ही राज्य की केंद्रीय भौगोलिक स्थिति, एक्सप्रेसवे नेटवर्क, समर्पित मालवाहक गलियारे, औद्योगिक नोड और नोएडा सहित प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों को विनिर्माण, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल सेवाओं और भविष्य के उद्योगों के लिए बड़ी ताकत के रूप में प्रस्तुत किया गया। बैठकों के साथ उत्तर प्रदेश और सिंगापुर के बीच निवेश साझेदारी को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। ब्यूरो